

घुमक्कड़ चीटा



सी.जे डेनिस

चित्रांकन: गौरी गुप्ता



कथा की 300एम थिंकबुक





एक छोटे चींटे ने सोचा, कहीं घूम आऊँ --
दूर घूम आऊँ, घर से दूर जाऊँ ।

कर नाश्ता पूरा, माँ का लेकर आशीर्वाद
चल दिया दुनिया देखने, चखने उसके स्वाद ।

गया ऊपर नीचे झाड़ी के, पत्थर के चारों ओर,
आयी फिर एक गली, जहाँ हुआ वह बोर ।





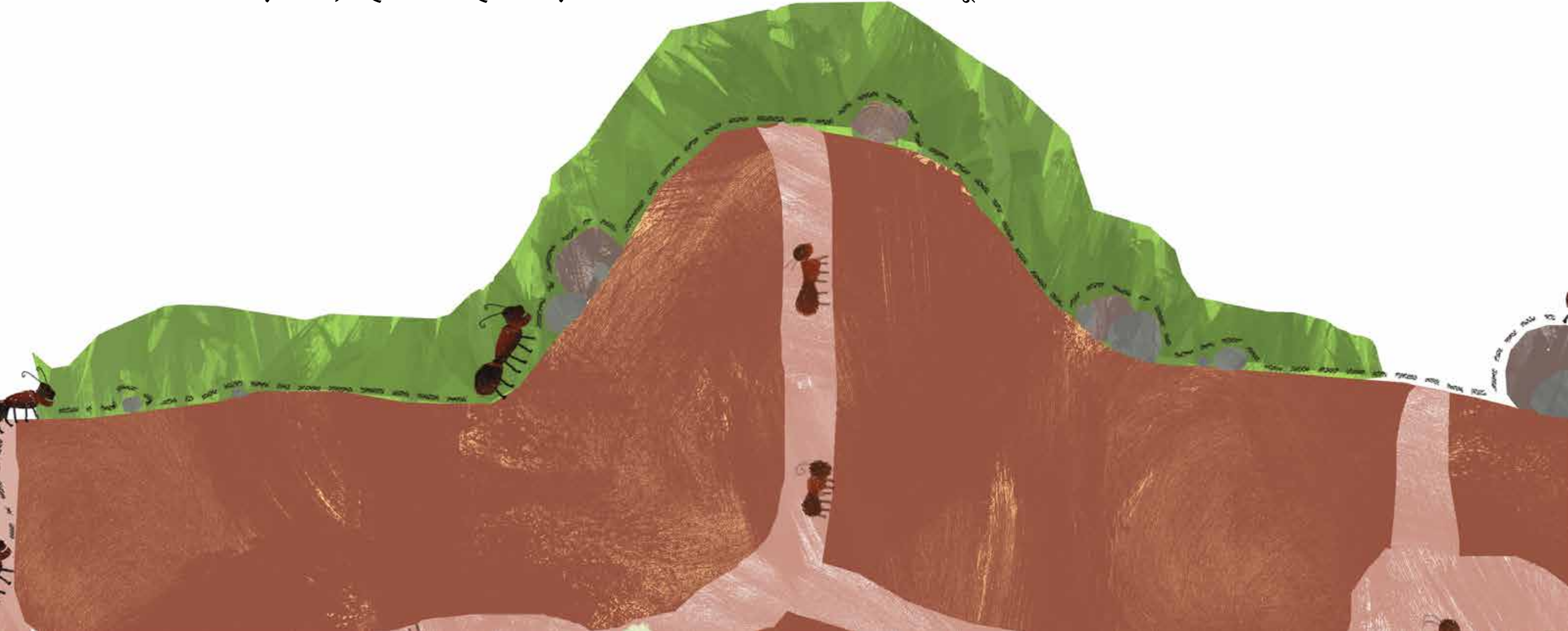
आया सात इंच का पर्वत बड़ा, उस पर वह चढ़ा,
डरावना जंगल घास का ढकता था आसमान बड़ा,

पत्तियों के पुल से हो कर काई के मैदान से,
पहुँचा वह कई फ़ीट लम्बे, भयंकर रेगिस्तान में।



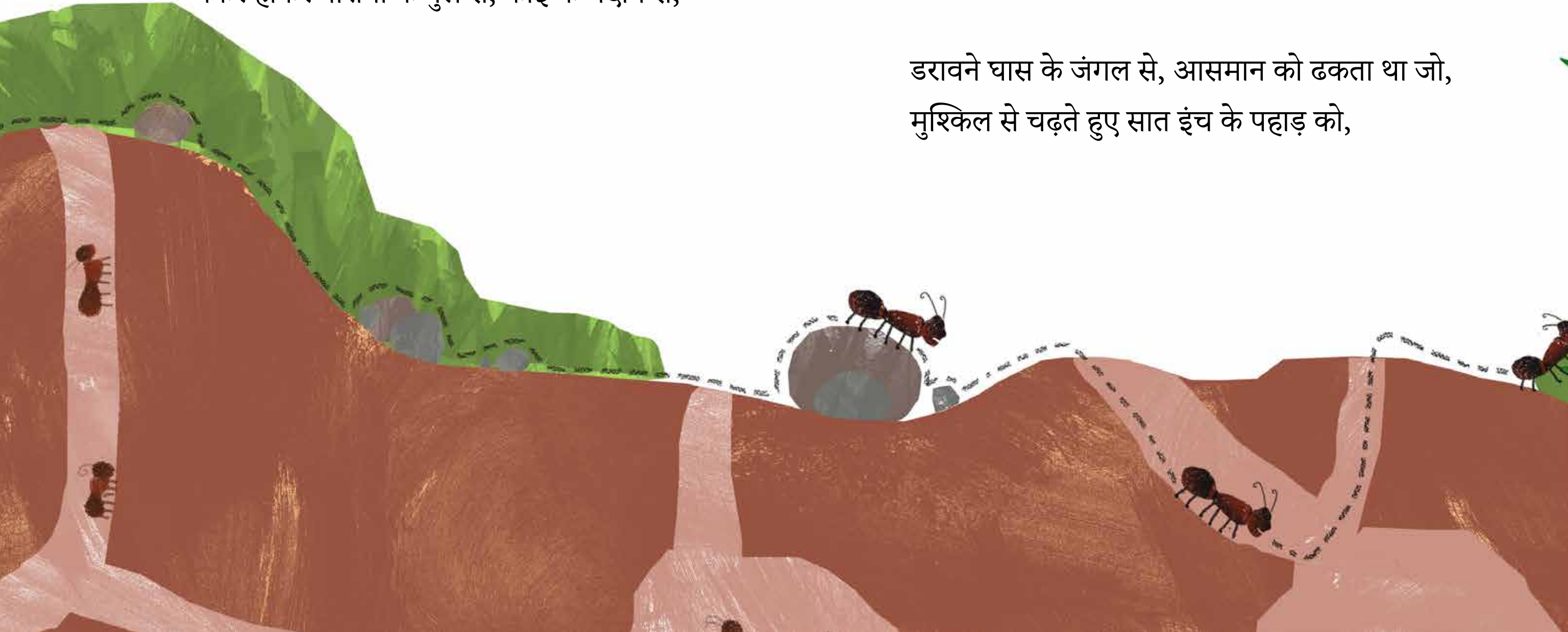
बंजर, पथरीला रेगिस्तान, उस पर था चलना मुश्किल,
घर के बिस्तर की याद आयी, नहीं लगा कहीं पर दिल।

उसके नन्हे पैर काँपते, बदन में नहीं बचा था दम,
तो घूमा वह उल्टा फिर, चल दिया बढ़ा कर कदम -



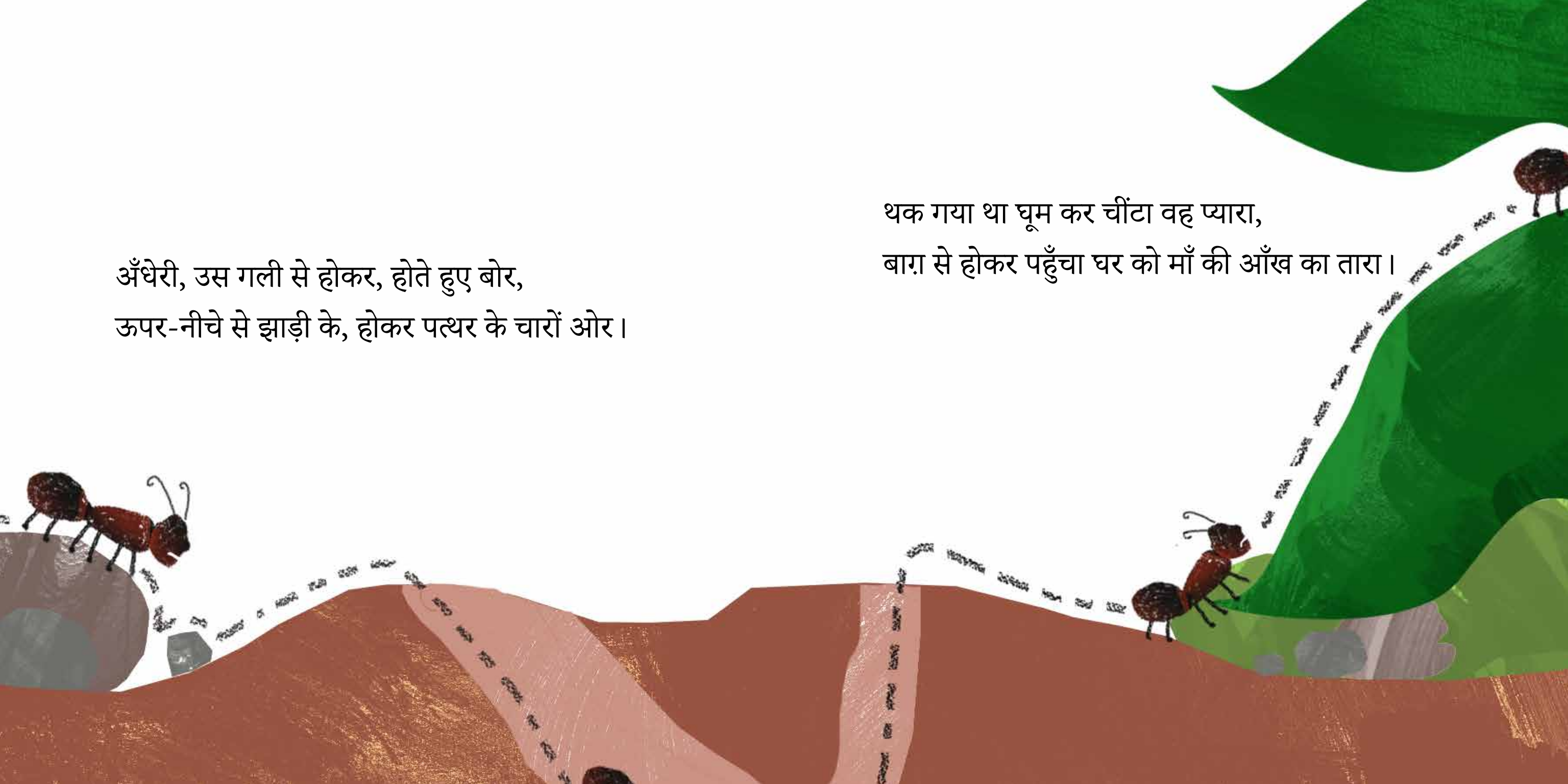
कई फ़ीट दूर आ गया, लम्बे रेगिस्तान से,
फिर होकर पत्तियों के पुल से, काई के मैदान से,

डरावने घास के जंगल से, आसमान को ढकता था जो,
मुश्किल से चढ़ते हुए सात इंच के पहाड़ को,



अँधेरी, उस गली से होकर, होते हुए बोर,
ऊपर-नीचे से झाड़ी के, होकर पत्थर के चारों ओर।

थक गया था घूम कर चींटा वह प्यारा,
बाग़ से होकर पहुँचा घर को माँ की आँख का तारा।



सी. जे. डेनिस: एक ऑस्ट्रेलियाई कवि हैं। वे अपनी हास्य कविताओं के लिए जाने जाते हैं। उन्हें अक्सर, ऑस्ट्रेलिया के तीन सबसे प्रसिद्ध कवियों में गिना जाता है।



पहला हिंदी संस्करण

कृति स्वामित्व © कथा, 2021

लेखन कृति स्वामित्व © सी. जे. डेनिस

चित्रांकन कृति स्वामित्व © कथा

स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।

नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्ष्य: हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रुचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए-3 सर्वोदय एन्चलेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली - 110017

दूरभाष: 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998

ई-मेल: marketing@katha-org

वेबसाइट: www-katha-org | www-books-katha-org

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा। कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।



यह पुस्तकें कथा ने बहुत ध्यान और स्नेह के साथ बनायीं हैं। यह 5 से 12 वर्ष आयु के बच्चों के लिए हैं।

यह हमारे 'UntextBook Initiative' का हिस्सा हैं। बच्चों को पढ़ने का आनंद आये उसके लिए हम बेहतरीन साहित्य और कला का इस्तेमाल करते हैं।

अपने बच्चों के बिना शब्दों वाली किताबों से 1200 शब्दों वाली कहानियों की यात्रा कराएँ।

इसमें 3500 वर्ष पुराने साहित्य से कहानियाँ और कविताएँ हैं।

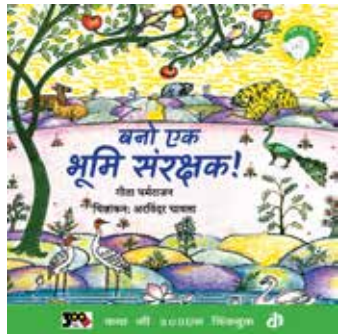
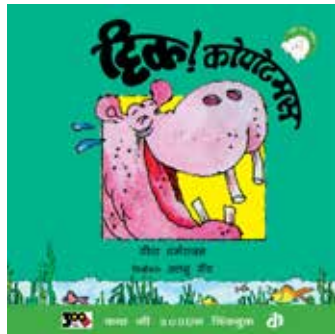
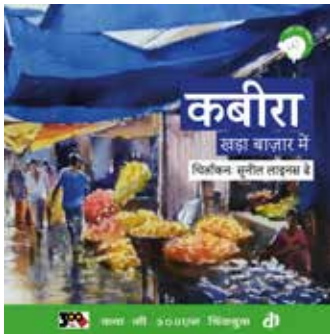
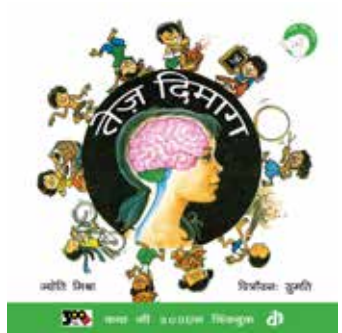
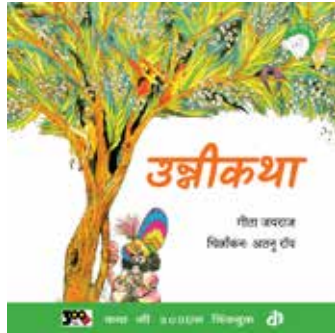
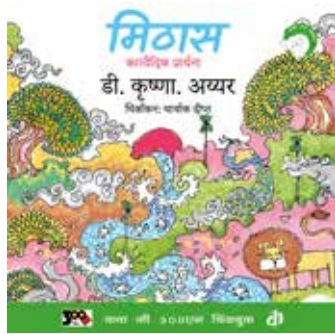
अपने बच्चों के साथ इन्हें पढ़ें। उनकी कल्पना को नयी उड़ान दें।

हमारे साथ '300 Million Citizens' Challenge' का हिस्सा बनिए। एक ऐसी दुनिया के निर्माण के लिए जहाँ बच्चे आनंद से पढ़ें और समझें। हमसे जुड़ें: 300m@katha-org स्वयंसेवा के लिए: volunteer@katha-org पर हमें लिखें

'I Love Reading' Library कथा की एक खास श्रृंखला है। यह नए और संकोची बच्चों को सहजता से पढ़ना सिखाती है। इसका पाठ्यक्रम अलग - अलग स्तर पर पढ़ने वाले बच्चों को ध्यान में रख कर बनाया गया है। यह बेहतरीन साहित्य और कला को भारत एवं दुनिया भर से एकत्रित कर बनायी गयी है। यह किताबें गीता धर्मराजन के 'StoryPedagogy' पर आधारित हैं। यह एक खास तरह का मॉडल है जो पहले स्कूल नहीं गए हुए बच्चों के लिए बनाया गया था। बच्चों को 'TADAA' (Think, Ask, Discuss, Act and Achieve) और 'बड़े विचारों' के द्वारा यह उनमें पढ़ने की खुशी और समझने की क्षमता बढ़ता है।

Katha's Holistic Early Learning (KHEL!) लैब सरकारी, निजी और गैर - लाभकारी विद्यालयों में कार्यशालाएँ कराती है। यह ऑनलाइन चलने वाली कार्यशालाएँ हैं। इसमें शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधकों और स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।

अधिक जानकारी के लिए 300m@katha-org पर जाएँ।



FOR OUR BOOKS

www.books.katha.org

"[Katha]...a special and unique moment in Indian Publishing history."
— The iconic The Economic Times

a katha book for children

ISBN-978-93-88284-81-3

9 789388 284813

www.katha.org

₹ xxx